पाठ 12

1. जब शैतान हव्वा को धोखा देने आया, तो उसने अपने आप को कैसे छिपाया?

-एक सांप के अंदर।

2. क्या हव्वा को पता था कि शैतान उससे बात कर रहा था?

-नहीं।

3. शैतान सांप के अंदर क्यों छिप गया?

-क्योंकि शैतान हव्वा को फँसाना चाहता था।

-क्योंकि शैतान हव्वा को धोखा देना चाहता था।

-क्योंकि शैतान हव्वा को नष्ट करना चाहता था।

4. क्या शैतान आज लोगों को फंसाने और धोखा देने की कोशिश करता है?

-हां।

5. शैतान आज कैसे लोगों को फंसाने और धोखा देने की कोशिश करता है?

-सबसे पहले, शैतान हमारे मन में हमसे बात करता है।

-दूसरा, शैतान अन्य लोगों के माध्यम से हमसे बात करता है।

-तीसरा, शैतान हमसे राक्षसों के माध्यम से बात करता है।

6. परमेश्वर ने आदम से क्या कहा कि यदि वे भले और बुरे के ज्ञान के वृक्ष से खाएंगे तो क्या होगा?

-वे मर जाएंगे।

7. शैतान ने हव्वा से क्या कहा कि अगर वे भले और बुरे के ज्ञान के पेड़ से खाएंगे तो क्या होगा?

-वे नहीं मरेंगे।

-वे परमेश्वर की तरह बन जाएंगे।

8. शैतान परमेश्वर को क्या बुला रहा था?

-एक झूठा।

9. आदम और हव्वा के पाप करने के बाद, उन्होंने क्या किया जब उन्हें एहसास हुआ कि वे नग्न हैं?

- उन्होंने पत्तों के कपड़े बनाए।

10. आदम और हव्वा के पाप करने के बाद, जब उन्होंने परमेश्वर को उन्हें देखने के लिए आते सुना तो उन्होंने क्या किया?

- वे परमेश्वर से छिप गए।

11. क्या ईश्वर से छिपना संभव है?

-नहीं। परमेश्वर हर जगह है।

12. शैतान किससे नफरत करता है?

-शैतान परमेश्वर और सभी लोगों से घृणा करता है।

13. क्या शैतान चाहता है कि आप परमेश्वर का वचन सुनें?

-नहीं।

14. शैतान क्यों नहीं चाहता कि आप परमेश्वर का वचन सुनें?

-क्योंकि शैतान सभी लोगों से घृणा करता है, और चाहता है कि वे अनन्त आग की झील में चले जाएँ।

-आदम और हव्वा द्वारा उसकी अवज्ञा करने के बाद परमेश्वर ने क्या किया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:9

9-परन्तु यहोवा परमेश्वर ने उस मनुष्य को पुकारा, कि तू कहां है?

-आदम और हव्वा के अवज्ञा के बाद, परमेश्वर ने आदम को बुलाया।

-क्या परमेश्वर ने आदम को इसलिए बुलाया क्योंकि वह नहीं जानता था कि आदम कहाँ है?

-नहीं।

-परमेश्वर सब कुछ जानता है।

-परमेश्वर सब कुछ देखता है।

-परमेश्वर से कोई छिप नहीं सकता।

-परमेश्वर ने आदम को क्यों बुलाया?

-परमेश्वर चाहता था कि आदम उसके पास आए और अपना पाप कबूल करे।

-परमेश्वर चाहते थे कि आदम उनके पास आए और स्वीकार करें कि उन्होंने परमेश्वर की अवज्ञा की थी।

-परमेश्वर चाहता था कि आदम उसके पास आए और स्वीकार करे कि उसने शैतान की बात सुनी थी।

-परमेश्वर आदम को क्यों बुला सकते हैं?

-क्योंकि परमेश्वर ने आदम को बनाया।

-क्योंकि आदम परमेश्वर का था।

-क्योंकि परमेश्वर ने आदम को परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए बनाया था।

-परमेश्वर सभी लोगों को क्यों बुला सकते हैं?

-क्योंकि परमेश्वर ने सभी लोगों को बनाया है।

-क्योंकि सभी लोग परमेश्वर के हैं।

-क्योंकि परमेश्वर ने सभी लोगों को परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए बनाया है।

-परमेश्वर नहीं बदला है।

-परमेश्वर आज भी लोगों को बुलाते हैं।

-परमेश्वर आज लोगों को कैसे बुलाते हैं?

-सबसे पहले, परमेश्वर अपनी रचना के माध्यम से लोगों को बुलाते हैं।

-परमेश्वर की रचना दर्शाती है कि एक ईश्वर है, और यह कि ईश्वर ने सब कुछ बनाया है, और यह कि ईश्वर चाहता है कि हम उसकी सुनें।

-दूसरा, परमेश्वर लोगों को अपनी पुस्तक, बाइबल के माध्यम से बुलाता है।

-परमेश्वर की किताब, बाइबिल, आप के लिए परमेश्वर का संदेश है।

-परमेश्वर की किताब, बाइबिल, परमेश्वर आपसे बात कर रहे हैं।

-जब परमेश्वर ने उसे बुलाया तो आदम ने क्या कहा?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:10

10-आदम ने उत्तर दिया, कि मैं ने बाटिका में तेरी सुनी, और मैं डर गया, क्योंकि मैं नंगा था; इसलिए मैं छिप गया।"

-आदम और हव्वा परमेश्वर से क्यों डरते थे?

-क्योंकि उन्होंने परमेश्वर की अवज्ञा की थी।

-यहाँ एक दृष्टांत है:

-अगर किसी खेत का मालिक आता है जब चोर उसका मक्का चुरा रहा है, तो क्या चोर छिप जाएगा?

-हां।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने पाप किया और परमेश्वर की अवज्ञा की, वे परमेश्वर से छिप गए।

-फिर परमेश्वर ने आदम से क्या कहा?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:11

11-और यहोवा परमेश्वर ने कहा, “किस ने तुझ से कहा कि तू नंगा है? क्या तू ने उस वृक्ष का फल खाया है जिसका मैं ने तुझे खाने से मना किया था?”

-परमेश्वर ने आदम से क्यों पूछा कि क्या उसने फल खाया है?

-क्या परमेश्वर नहीं जानते थे कि आदम ने फल खा लिया?

-हां।

-परमेश्वर ने आदम से क्यों पूछा कि क्या उसने फल खाया है?

-परमेश्वर चाहता था कि आदम उसके पास आए और अपना पाप कबूल करे।

-परमेश्वर चाहते थे कि आदम उनके पास आए और स्वीकार करें कि उन्होंने परमेश्वर की अवज्ञा की थी।

-परमेश्वर चाहता था कि आदम उसके पास आए और स्वीकार करे कि उसने शैतान की बात सुनी थी

-परमेश्वर आदम से सवाल क्यों कर सकते हैं?

-क्योंकि परमेश्वर ही थे जिन्होंने आदम को बनाया।

-क्योंकि परमेश्वर ने सभी लोगों को बनाया है, परमेश्वर सभी लोगों से सवाल कर सकते हैं।

-एक दिन, परमेश्वर सभी लोगों से सवाल करेंगे, और सभी लोगों को परमेश्वर को जवाब देना होगा।

-परमेश्वर ने आदम से सवाल किया, और आदम ने क्या जवाब दिया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:12-13

12 उस पुरूष ने कहा, जिस स्त्री को तू ने यहां मेरे पास रखा है, उस ने उस वृक्ष का कुछ फल मुझे दिया, और मैं ने उसे खा लिया।

13 तब यहोवा परमेश्वर ने उस स्त्री से कहा, यह तू ने क्या किया है? स्त्री ने कहा, "सर्प ने मुझे धोखा दिया, और मैं ने खा लिया।"

-आदम ने हव्वा को दोषी ठहराया, और हव्वा ने सांप को दोषी ठहराया।

-परमेश्वर पहले से ही सच्चाई जानता था।

-परमेश्वर से कोई सच्चाई छिपी नहीं है।

-चोरी करते पकड़े जाने पर कोई क्या करता है?

-वह किसी और को दोष देने की कोशिश करता है।

-हम किसी और को दोष देकर दूसरों को धोखा देने में सक्षम हो सकते हैं।

-हम किसी और को दोष देकर परमेश्वर को धोखा नहीं दे सकते।

-परमेश्वर हमेशा सच जानता है।

-परमेश्वर हमेशा उसकी अवज्ञा करने वालों को दंडित करते हैं।

-परमेश्वर हमेशा पाप करने वालों को दंड देते हैं।

-सबसे पहले परमेश्वर ने सांप को सजा दी।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:14

14-तब यहोवा परमेश्वर ने सर्प से कहा, “तू ने यह किया है, कि सब पशुओं और सब जंगली पशुओं से अधिक शापित हो! तू अपने पेट के बल रेंगेगा, और जीवन भर मिट्टी ही खाता रहेगा।”

-परमेश्वर ने सांप को कैसे दंडित किया?

-सांप को अब अपने पेट के बल रेंगना चाहिए।

-परमेश्वर ने सांप को सजा क्यों दी?

-सांप ने हव्वा से बात नहीं की।

-केवल शैतान ने हव्वा से बात की।

-परमेश्वर ने सांप को दंड क्यों दिया?

-क्योंकि परमेश्वर सभी पापों की सजा देते हैं।

-क्योंकि शैतान ने सांप का इस्तेमाल पाप करने के लिए किया था।

-परमेश्वर सभी पापों की सजा देते हैं।

-दूसरा, परमेश्वर ने हव्वा को दंडित किया।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:16

16 और उस स्त्री से यहोवा परमेश्वर ने कहा, मैं तेरे जनने के कष्ट को बहुत बढ़ाऊंगा; दर्द के साथ तुम बच्चों को जन्म दोगे। तेरी इच्छा तेरे पति की ओर होगी, और वह तुझ पर प्रभुता करेगा।”

-परमेश्वर ने हव्वा को कैसे दंडित किया?

-हव्वा बड़े दर्द के साथ बच्चों को जन्म देगी।

-ईव की सजा सभी महिलाओं के लिए सजा है।

-अब सभी महिलाएं बड़ी पीड़ा से बच्चों को जन्म देती हैं।

-तीसरा, परमेश्वर ने आदम को दंडित किया।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:17-19

17- यहोवा परमेश्वर ने आदम से कहा, तू ने अपनी पत्नी की बात मानकर उस वृक्ष का फल खाया जिसके विषय में मैं ने तुझे आज्ञा दी थी, कि उसका फल न खाना; तेरे कारण भूमि शापित है; तू उस में से जीवन भर कठिन परिश्रम करके खाएगा।

18-वह तेरे लिथे काँटे और ऊँटें उत्पन्न करेगा, और तू मैदान के पौधे खाएगा।

19 और तू अपके माथे के पसीनेके कारण अपके भोजन को तब तक खाएगा, जब तक कि तू भूमि पर न लौट जाए, क्योंकि तू उसी में से उठाया गया है; तू मिट्टी ही है, और मिट्टी में मिल जाएगा।”

-परमेश्वर ने आदम को कैसे दंडित किया?

-आदम ज्यादा पसीने से जमीन पर जुताई करेगा, और थोड़ा मक्का हासिल करेगा।

-आदम की सजा सभी पुरुषों के लिए सजा है।

-अब, सभी पुरुष बहुत पसीने से जमीन पर खेती करते हैं, और थोड़ा मक्का प्राप्त करते हैं।

-और कैसे परमेश्वर ने आदम को दंडित किया?

-परमेश्वर ने पूरी पृथ्वी को शाप दिया।

-क्या संकेत हैं कि परमेश्वर ने पृथ्वी को शाप दिया है?

-कई कांटे और मातम हैं।

-कई सूखे और बाढ़ हैं।

-कई जहरीले पौधे और सांप होते हैं।

-जानवर लोगों को काटते हैं।

-लोगों को मेहनत करनी चाहिए।

-लोग बीमार हो जाते हैं।

-लोग मर जाते हैं।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की अवज्ञा की, पृथ्वी शापित है।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की अवज्ञा की, पृथ्वी बुराई से भरी हुई है।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की अवज्ञा की, सभी लोग मर गए।

-अवज्ञा के लिए परमेश्वर की सजा अनन्त मृत्यु है।

-पाप के लिए परमेश्वर की सजा अनन्त मृत्यु है।

-आइए पढ़ें कि आदम और हव्वा को दंडित करने के बाद परमेश्वर ने क्या कहा।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:15

15- यहोवा परमेश्वर ने कहा, मैं तेरे और इस स्त्री के बीच, और तेरे वंश और उसके वंश के बीच में बैर उत्पन्न करूंगा; वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी पर वार करेगा।”

-परमेश्वर किससे बात कर रहे थे?

-परमेश्वर शैतान से बात कर रहे थे।

-परमेश्वर ने शैतान से क्या कहा?

-परमेश्वर ने कहा कि कोई शैतान के सिर को कुचल देगा, भले ही शैतान उसकी एड़ी पर वार करे।

-शैतान का सिर कौन कुचलेगा?

-रक्षक।

-परमेश्वर द्वारा आदम और हव्वा को दण्ड देने के कुछ ही समय बाद, परमेश्वर ने क्या करने का वादा किया?

-परमेश्वर ने आदम और हव्वा को दंडित करने के कुछ ही समय बाद, परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को भेजने का वादा किया।

-उद्धारकर्ता क्या करेगा?

-उद्धारकर्ता लोगों को पाप की शक्ति से बचाने के लिए आएगा।

-उद्धारकर्ता लोगों को मृत्यु की शक्ति से बचाने के लिए आएगा।

-उद्धारकर्ता शैतान की शक्ति से लोगों को बचाने के लिए आएगा।

-उद्धारकर्ता शैतान से लड़ने के लिए आएगा।

-शैतान उद्धारकर्ता को घायल कर देगा, लेकिन उद्धारकर्ता शैतान को हरा देगा।

-उद्धारकर्ता कौन होगा?

-उद्धारकर्ता एक कुंवारी का पुत्र होगा।

-परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को भेजने का वादा क्यों किया?

-क्योंकि परमेश्वर सभी लोगों से बहुत प्यार करते हैं।

-क्या आदम और हव्वा परमेश्वर के प्रेम के योग्य थे?

-नहीं।

-आदम और हव्वा परमेश्वर के प्रेम के योग्य क्यों नहीं थे?

-क्योंकि उन्होंने परमेश्वर की अवज्ञा की और शैतान की सुनी।

-आदम और हव्वा की अवज्ञा का क्या गुण था?

-उनकी अवज्ञा ने अनन्त मृत्यु को प्राप्त किया।

-आदम और हव्वा की अवज्ञा मृत्यु के योग्य थी।

-लेकिन परमेश्वर ने उन्हें बचाने के लिए उद्धारकर्ता भेजने का वादा किया।

-यहाँ एक दृष्टांत है:

-एक आदमी जो मर रहा है, तुम्हारे घर आता है।

-आप उसके लिए दवा और खाना खरीदते हैं।

-वह आपके साथ कई दिनों तक रहता है।

-अंत में, वह ठीक हो जाता है।

-इससे पहले कि आदमी चला जाए, वह आपकी गाय चुरा लेता है।

-बाद में, आदमी वापस आ जाता है, और एक बार फिर मरने के लिए तैयार हो जाता है।

-तुम एक बार फिर उसके लिए दवा और खाना खरीदो।

-एक बार फिर आदमी ठीक हो जाता है।

-आदमी ने आपकी गाय चुरा ली, और सजा के योग्य।

-फिर भी, आपने उस आदमी को एक बार फिर ठीक होने में मदद की।

-आदम और हव्वा की अवज्ञा मृत्यु के योग्य थी।

-फिर भी परमेश्वर ने उन्हें बचाने के लिए उद्धारकर्ता भेजने का वादा किया।